Title: Requested to constitute an inquiry committee against the Indraprastha Apolo Hospital fo find out the mishandling in the case of Shri Kumaramangalam, Minister of Energy resulting in a deteriorating health condition of the Minister.

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष जी, केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री कुमारमंगलम जी जो इस समय जिंदगी और मौत से लड़ रहे हैंâ€¦(व्यवधान) अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि हमारे केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री कुमारमंगलम जी जो इस समय जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं, मुझे जो जानकारी मिली है उसके अनुसार इन्द्रप्रस्थ अपोलो हास्पीटल उसके लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। हम 15 मैम्बर्स ने आपको लिखकर दिया है। हम अपने सहयोगी कुमारमंगलम जी की दयनीय स्थिति के लिए जिम्मेदार तत्वों की ओर आपका ध्यान आकर्ति करना चाहते हैं। उनके परिवार वालों, मित्रों तथा औरों से मुझे जो जानकारी मिली है उसके अनुसार यह स्पट संकेत मिले हैं कि अगर शुरू में ही इस बीमारी को ठीक से डॉयग्नोस कर लिया जाता और उचित इलाज हो जाता तो आज उनकी यह हालत न होती। 20 दिन तक कुमारमंगलम जी अपोलो अस्पताल में भर्ती रहे। हमें बताया गया है कि उन्से शुरू में कहा गया कि यह साधारण मलेरिया है। उसके बाद कहा गया कि फेफड़ों में टी.बी. है। लगभग डेढ़ लाख रूपये लेकर उन्हें 20 दिन के बाद छुट्टी दे दी गई। अभी 'एम्स' के डाक्टरों ने उन्हें ब्लड कैंसर (ल्यूकीमिया) बताया है और बताया है कि यह लास्ट स्टेज पर है। मेरा कहने का मतलब है कि अगर शुरू में ही उनकी बीमारी की निशानदेही कर दी जाती, डॉयग्नोस कर दिया जाता और इसका इलाज होता तो शायद आज जैसी स्थिति में वह हैं, वैसी स्थिति में न होते।

अध्यक्ष जी, मैं दिल्ली में रहता हूं और कोई हफ्ता ऐसा नहीं जाता जिसमें मेरे पास इस अस्पताल के तीन-चार ऐसे केसेज न आते हो, जिन्हें ये बिगाड़ देते हों। अभी 15-20 दिन पहले पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री श्री कालिया के फर्स्ट कजन यहां इलाज के लिए आये। उन्से कहा गया कि इस अस्पताल में इलाज कराने के दस लाख रुपये लगेंगे। वह दस लाख रुपये देने को तैयार हो गये। उन्हें 26 लाख रुपये का बिल देकर उनकी डैड बॉडी दे दी गई। मेरे कहने के उपरांत उनके ऊपर केवल छ: लाख रुपये छोड़े गये और 20 लाख रुपये लेकर एक मिनिस्टर के भाई की डैड बॉडी दे दी गई। मेरा कहने का मतलब यह है कि अगर सैंटर के एक मिनिस्टर को डॉयग्नोस करने में यह स्थिति है तो आम आदमी की हालत क्या होगी।

अध्यक्ष जी, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि

जिस समय यह अस्पताल खुला था, इसका यह उद्देश्य था कि दिल्ली और देश के लोगों को अपोलो में एक अच्छी मैडिकल सुविधा मिलेगी। इनको बहुत रियायती मूल्यों पर जमीन दी गई। मुख्य मंत्री के नाते मैंने कई करोड़ रुपये इनको सहायता दी। लेकिन जो एम.ओ.यू. साइन हुआ कि इतने परसेंट फ्री बेड होंगे, वह भी लागू नहीं किया गया। आज यह अस्तपाल कॉमर्शियल शॉप बनकर रह गया है। मुझे बताया गया, मैंने जो केस दिया है, कम से कम दवाइयों के पैसे लिखे होते हैं कि यह मैक्सिमम चार्ज इसमें है। यहां जो दवाएं दी जाती हैं, जैसे फाइव स्टार में चाय की कीमत सौ रुपया होती है, वैसे ही यहां दवाओं की कीमतें भी कई गुना बढ़ाकर उन्से ली जाती हैं। मेरा कहना है कि एक जांच कमेटी बैठाई जाए और खासकर कुमारमंगलम जी के बारे में जिस तरह से इन्होंने किया है, या तो सदन की कमेटी बनाई जाए ताकि इस तरह की हालत फिर न हो। आज दिल्ली और देश के लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। यह अस्पताल जिस मकसद से बनाया गया था, उस मकसद को पूरा कर सके, यही मेरा निवेदन है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैं इसकी इनक्वायरी चाहता हूं। â€¦(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : मैं अपोलो हॉस्पिटल नहीं चला रहा हूं। â€¦(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : आप नहीं चला रहे हैं लेकिन â€¦(व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : मैं आप्से नहीं कह रहा हूं खुराना जी। आपके आग्रह पर मैं खड़ा हुआ हूं और आप मुझसे झगड़ा कर रहे हैं। â€¦(व्यवधान)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (GUNA): Mr. Speaker, Sir, I will not be going into the Apollo matter now; that is something which, of course, all of us have to make up our minds about.

But this is an appropriate moment to express our very grave concern about the condition of one of our colleagues and a Member of the Cabinet. I would like to say, from our side, that we would like to wish him a very speedy recovery and we would like the family to get all strength to go through this crisis. All our good wishes are there for a very speedy recovery of our colleague and a Member of the Union Cabinet.

MR. SPEAKER: Yes. The entire House is joining him in wishing our colleague a speedy recovery.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (KHAMMAM): Sir, We should know about his wellbeing every day. I think, the Parliament must take cognisance of it and we should be informed about how he is keeping.

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष जी, कुमारमंगलम जी के स्वास्थ्य के बारे में हम सबको चिन्ता होना स्वाभाविक है और मैं समझता हूं कि माधवराव जी ने अभी जो भावनाएं व्यक्त की हैं, उसके साथ सदन का हर सदस्य अपने आपको जोड़ना चाहेगा और हम चाहेंगे कि उनके स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार हो और वह फिर हम सबके बीच में काम करने के लिए आएं।

खुराना जी ने भी बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है। आज के समाचार-पत्रों में भी कुमारमंगलम जी के पुत्र ने अपोलो हॉस्पिटल में ढंग से उनका उपचार नहीं हुआ इस प्रकार की शिकायत सार्वजनिक रूप से की है और जैसे अभी कहा गया कि अपोलो को या कोई भी बड़े-बड़े हॉस्पिटल जब बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से सरकार की ओर से बहुत भारी सुविधाएं इसलिए दी जाती हैं कि हम अपेक्षा करते हैं कि वहां गरीबों के लिए भी कुछ स्थान आरक्षित होगा जिसके कारण सरकार की सुविधाएं मिलती हैं,

और उसके साथ-साथ अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं हमें मिलें।

अध्यक्ष जी, जिस दिन कुमारमंगलम जी की तबियत बहुत बिगड़ गई, उस दिन मैं सुबह वहां दो-ढाई घंटे तक रहा था। तब भी यह लग रहा था, चूंकि वे इस सत्र के शुरू से ही बीमार चल रहे थे इसलिए उन्होंने चिट्ठी लिखकर मुझे रोस्टर ड्यूटी पर न रखा जाए, यह कहा था और दो महीने से वे मामूली बुखार की शिकायत से पीड़ित थे, लेकिन तब से लेकर अब तक वे इस स्थिति में पहुंच गए हैं कि वे जीवन के लिए संर्घा कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, वे कोई देहात के अस्पताल में इलाज नहीं करा रहे हैं, बल्कि देश की राजधानी के एक बड़े अस्पताल में उपचार करा रहे हैं और भारत सरकार के मंत्री

के नाते उपचार करा रहे हैं। फिर भी ऐसा लगता है कि उनका उपचार जिस ढंग से और बीमारी का निदान जिस प्रकार से होना चाहिए उस ढंग से नहीं हुआ है।

महोदय, बहुत सारे अस्पतालों के बारे में यह शिकायत है जिसको खुराना जी ने ठीक शब्दों में कहा कि पंचतारा होटल चलाने और हॉस्पीटल चलाने में आज कोई अन्तर नहीं है। इस तरह की शिकायतें आ रही हैं। मैं खुराना जी से सहमत हूं। इसलिए किसी एक अस्पताल का नाम लेकर कि वहां क्या हुआ, उपचार नहीं हुआ, या वह ठीक नहीं है, इस बारे में मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This will not go on record. Only the Minister's reply will go on record.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Please take the issue seriously.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) **

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, I am replying to a specific issue. I am not referring to the general deterioration in the health services in the country. He has raised an issue which is related to the health condition of Shri Rangarajan Kumaramangalam. At this juncture I want to limit myself to that issue. I am not taking side on the issue of Government hospital versus private hospital or hospital `A' versus hospital `B'. I am just reacting to a very serious issue concerning one of our colleagues.

अध्यक्ष महोदय इस समय मैं केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि कुमारमंगलम जी के स्वास्थ्य के निदान में अगर कोई गलती हुई है, उसमें किसी प्रकार की चूक हुई है, तो निश्चित रूप से स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से उसकी जांच करने के लिए मैं स्वास्थ्य मंत्री मोहदय से प्रार्थना करूंगा, लेकिन मैं समझता हूं कि अभी हमारी प्रा यर्टी, उनके स्वास्थ्य में जल्दी सुधार हो, यह होनी चाहिए और इस दृटि से मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान उन्हें शीघ्र स्वस्थ करे। मैं माननीय सद्स्यों की शिकायत स्वास्थ्य मंत्री महोदय तक पहुंचाने की कोशिश अवश्य करूंगा।

12.35 hours (Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)